2023-24 संकलनात्मक मूंल्याकन–1
9 वीं कक्षा तृतीय भाषा हिंदी

समय : 3 घंटे **कुल अंक : 80**

===

I. निम्नलिखित प्रश्नों के लिए के चार–चार विकल्प सुझाए गये हैं, उनमें से सर्वाधिक उचित विकल्प चुनकर उसके संकेताक्षर सहित पूर्ण रूप से लिखिए : **8x1=8**

1. मित्र' शब्द का विलोम शब्द है,
A. दोस्त B. अपने C. दुश्मन D. शत्रु

2. इनमे से पुल्लिंग शब्द है,
A. माता B. राजा C. माँ D. मातृ

3. 'भीतर' शब्द का समनार्थक शब्द है,
A. दूर B. पास C. अंदर D. समीप

4. 'आग बबुला होना' इस मुहावरे का अर्थ है,
A. क्रोधित होना B. सबक सिखाना C. अटल रहना D. बुरा होना

5. 'आवाज़' शब्द का बहुवचन रूप है,
A. आवाज़े B. बात C. शब्द D. आवाज़

6. इनमे से प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया रूप है,
A. पढ़ना B. पढ़ C. पढ़ाना D. पढ़वाना

7. 'विध्यार्थी' शब्द इस संधि का उदाहरण है,
A. गुण संधि B. वृध्दि संधि C. यण संधि D. दीर्घ संधि

8. मेज _ _ _ _ पुस्तक है । इस वाक्य के लिए उचित कारक होगा,
A. से B. पर C. में D. को

II. निम्नलिखित प्रथम दो शब्दों के संबंध के अनुरुप तीसरे शब्द का संबंधित शब्द लिखिए : 4x1=4

9. बादशाह : बेगम :: राजा : ____________
10. कर्नाटक : बेंगलूरु :: मेघालय : __________
11. भाग्य फूटना : बुरा होना :: पाठ पढ़ाना : ___________
12. करो मदद : घायल की :: पालन करो : ______________

III. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक–एक पूर्ण वाक्य में लिखिए : **4x1=4**

13. थाली में क्या जल रहा था ?
14. विवेकानंद की अनुयायिनी का नाम क्या था ?
15. सुंदर भाव कहाँ पले हैं ?
16. बाट जोहने वालों को क्या नहीं देना चाहिए ?

IV. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–तीन वाक्यों में लिखिए : 8x2=16

17. विवेकांनद ने भारतवासियों को क्या उपदेश दिया ?
18. दुर्घटना से बचने के कोई दो उपाय लिखिए ।
19. मौसी बच्चों को कौन–कौन सी कहानियाँ सुनाती थी?

20. मासमाई गाँव की गुफाए कैसी है ?

21. पर्यावरण का महत्व समझाइए ।

22. ब्राह्मण के घर में सब लोग क्यों रो रहे थे ?

23. बाबू भाई ने किन – किन – से मदद माँगी ?

24. कल्पना का जन्म कहाँ हुआ था ? और कल्पना को प्यार से क्या कहा जाता है ?

V. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन-चार वाक्यों में लिखिए: 9x3=27

25. भाई को गिरते देखकर बहन ने क्या किया?

26. विवेकानंद ने जनता को ललकार कर क्या कहने को कहा ?

27. बकासुर क्या काम करता था और उसके बदले में वह क्या लेता था ?

28. 'माइती बाज़ार' के बारे में लिखिए ।

29. हिमालय के बारे में कवि की भावना क्या है ?

30. चौराहों पर दिए गए संकेतो को विस्तार बताइए ।

31. परिसर रक्षा के लिए हमें क्या–क्या कर करना चाहिए ?

32. निम्नलिखित पद्य का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए :

ध्वनि, मिट्टी, जलवायु आदि
जीव जगत के मित्र सभी ।
इनकी रक्षा करना,
अब कर्तव्य हमारा ।
शोर और मिट्टी का संकट,
दूर करेंगे सारा ।

33. गध्यांश का अनुवाद कन्नड़ या अंग्रेजी में कीजिए :

1893 में शिकागो नगर में सर्वधर्म सम्मेलन हो रहा था ।इस महासभा में विवेकानंद ने भारतीय धर्म और तत्वज्ञान पर भाषण दिया । उनका भाषण बड़ा गंभीर एवं हृदयस्पर्शी था ।

VI. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर पाँच-छ: वाक्यों में लिखिए: 2x4=8

34. मौसी और बच्चों के बीच में क्या बातचीत हुई ?

अथवा

मौसी के खुशी जीवन का वर्णन कीजिए ।

35. **निम्नलिखित कवितांश पूर्ण कीजिए:**

जय-जय _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _
_ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _
_ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _
_ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ आग दबाकर ।

VII. 36. निम्नलिखित गध्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 1x4=4

साहित्य दो प्रकार में दिखाइ देता है । शिष्ट साहित्य और जनपद साहित्य । ज्ञानी और शास्त्रज्ञ जिस साहित्य का सृजन करते हैं उसे शिष्ट साहित्य कहा जाता है । शिष्ट साहित्य लिखित होता है । जनपद साहित्य अलिखित होता है । इसकी रक्षा मौखिक परंपरा से होती है। ज्यादातर जनपद साहित्य ग्रामों में जन्म लेते है ।

क) साहित्य के दो प्रकार कौन–कौन से है ?

ख) शिष्ट साहित्य किसे कहाँ जाता है ?

ग) जनपद साहित्य क्या है ?

घ) जनपद साहित्य का जन्म कहाँ हुआ ?

VIII. 37. दिए गए बिंदुओं के आधार पर 12-15 वाक्यों में किसी एक विषय के बारे में निबंध लिखिए : 1x4=4

क) जनसंख्या की समस्या

*अर्थ

*जनसंख्या वृद्धि के कारण और परिणाम

*नियंत्रण

*उपसंहार

ख) पर्यावरण की रक्षा

* अर्थ और पस्तावना

* रक्षा के उपाय

*उपसंहार

ग) बेरोजगारी

* अर्थ और पस्तावना

* बेरोजगारी के कारण

* बेरोजगारी दूर करने के उपाय

*उपसंहार

IX. 38. निम्नलिखित विषय के बारे में पत्र लिखिए : 1x5=5

अपनी बहन की शादी के कारण तीन दिनो की छुट्टी के लिए प्रधानाध्यापक के नाम पत्र लिखिए :

अथवा

अपने पढ़ाई के बारे में बताते हुए माताजी को एक पत्र लिखिए ।

****

उत्तर कुंजी

I.

1. D.शत्रु
2. B. राजा
3. C. अंदर
4. A.क्रोधित होना
5. A. आवाज़ें
6. C. पढ़ाना
7. D.दीर्घ संधि
8. B.पर

II.

9. रानी

10. शिलंग

11. सबक सिखाना

12. संकेतों की

III.

12. थाली में एक दिया जल रहा था।

14. मार्गरेट एलिज़बेथ विवेकानंद की अनुयायिनी थी।

15. धानी आँचल में सुंदर भाव पले हैं।

16. बाहर जाने वालों को गम की सौगात नहीं देना चाहिए।

IV.

17. *विवेकानंद ने अज्ञान, अंधविश्वास, शिक्षा, विदेशी अनुकरण, दास्य मनोभाव आदि के बुरे प्रभावों का बोध कराया।

*उन्होंने अपनी भाषाणों द्वारा जनता के मन से हिनता की भावना को दूर भगाने का प्रमाणित प्रयत्न किया।

18. *चौराहों पर दिए गए संकेतों का पालन करना चाहिए।
*हमेशा हेलमेट पहनना चाहिए।

19. मौसी बच्चों को तोता - तूती की कहानी, काठ घोड़े की कहानी, विरोरचित कहानियाँ आदि सुनाती थी।

20. *आश्चर्य तो मास माई गाँव की गुफाएँ हैं।
*गुफाएँ इतनी अंधेरी है कि मशाल या टार्च जलाएँ बिना उन्हें प्रवेश नहीं कर सकते।

21. पर्यावरण का महत्व समझाइए।

*पर्यावरण के बिना मानव का जीवन असंभव है।

*शुद्ध पर्यावरण जीव जगत के लिए आवश्यक है।

*आजकल जल, वायु और ध्वनि का प्रदूषण निरंतर बढ़ते जा रहा है।

*इस कारण परिसर का संतुलन बिगड़ रहा है।

*पर्यावरण का महत्व समझ कर हमें इसकी रक्षा करना हम सबका कर्तव्य है।

22. *बकासुर को खाना ले जाने की बारी कल ब्राह्मण की थी। ब्राह्मण और उसकी पत्नी दोनों बकासुर के पास जाने के लिए बहस कर रहे थे।

*तब उनकी बेटी उन दोनों को मना करके खुद जाने की बात करती है। इसलिए ब्राह्मण के घर में सब लोग रो रहे थे।
23. बाबू भाई ने पहले माली से और ऊँटसवार से अंत में घुड़सवार से मदद माँगी।
24. *कल्पना का जन्म हरियाणा के करनाल नगर में हुआ था।

*कल्पना चावला को प्यार से 'अंतरिक्ष परी' कहा जाता था।

V.

25. बहन ने भाई को गिरते देखा, वह दौड़ पड़ी। भाई खून से लथपथ पड़ा था। वह पुकारती रही,"भैया ! भैया !"
26. *"प्यारे देशवासियो ! वीर बनो और ललकार कर कहो कि मैं भारतीय हूँ।

* अनपढ़ भारतीय, निर्धन भारतीय, ऊँची जाति का भारतीय, नीच जाति का भारतीय-सब मेरे भाई हैं। उनकी प्रतिष्ठा मेरी प्रतिष्ठा है। उनका गौरव, मेरा गौरव है।"

27. *बकासुर एकचक्र नगर का रक्षा करता था।

*उसके बदले में वह लोगों से एक गाड़ी और दो भैंसे और एक मनुष्य लेता था।

28. *स्त्रियों का पूरा का पूरा बाज़ार ही है वहां, जिसे 'माइती बाज़ार' कहते हैं - यानी माँ का बाज़ार।
*स्त्रियाँ दिनभर सामान की बिक्री कर शाम को अपने-अपने घर लौटती हैं।
*इस माइती बाज़ार में किसी प्रकार का वर्ग भेद नहीं है।
29. *भारत माता का हृदय हिमालय के समान बड़ा है। उसमें बहुत सारा स्नेह भरा हुआ है।
वह अपने आँचल में आग दबाकर खुद दु:ख को सहन कर हम सबको हरा भरा रखता है।
30. हरि पर चलना, लाल पर रुकना और पीली पर सचेत रहना।
31. *एक वृक्ष अगर कट जाता है तो उसके बदले में ग्यारह वृक्ष लगाना चाहिए और रोज एक वृक्ष हमें लगाना है और ऐसा शपथ लेकर कार्य करना है।
32.*प्रस्तुत कविता में शुक्लजी कहते हैं ध्वनि, मिट्टी और जलवायु आदि सभी जीव जगत के मित्र हैं।
* इन सभी का रक्षा करना हम सब का कर्तव्य है।
*कोलाहल के आवाज और मिट्टी का संकट हम सब मिलकर दूर करना है।
33. 1893 ರಲ್ಲಿ ಚಿಕಾಗೋ ನಗರದಲ್ಲಿ ಸರ್ವಧರ್ಮ ಸಮ್ಮೇಳನ ನಡೆಯುತ್ತಿತ್ತು. ಈ ಮಹಾಸಭಾದಲ್ಲಿ ವಿವೇಕಾನಂದರು ಭಾರತೀಯ ಧರ್ಮ ಮತ್ತು ತತ್ವಶಾಸ್ತ್ರದ ಕುರಿತು ಭಾಷಣ ಮಾಡಿದರು. ಅವರ ಮಾತು ಭಾಷಣ ಗಂಭೀರವೂ ಹೃದಯಸ್ಪರ್ಶಿಯೂ ಆಗಿತ್ತು.
In 1893, an all-religion conference was being held in the city of Chicago. In this Mahasabha, Vivekananda gave a speech on Indian religion and philosophy. His speech was serious and heart touching.

VI.

34. *तु इतने दिन कहाँ थी मौसी ? यहाँ क्यों बैठी हो ? एक ने पूछा।
* मैं यहाँ से जा रही हूँ बेटा। कहते हुए मौसी की आँखें भर आई।
*तू तो बीमार थी मौसी ? तबीयत कैसी है ? बलदेव ने पूछा।
*बेटा मैं ठीक हो गयी हूँ। अपना गाँव जा रही हूँ।
*हम तुझे कहीं नहीं जाने देंगे मौसी, सबने एक स्वर में कहा। मौसी की आँखों में आँसू छलक उठे।
*मौसी फिर से स्कूल के आँगन में आने लगी। बच्चे उसे घिरे रहते और वह उन्हें कहानियाँ सुनाती।
*कभी-कभी लाठी टेकती हुई मोहल्ले का चक्कर काटती, सभी घरों में झाँक उनका कुशल-क्षेम पूछती।
*साँझ ढलने पर अपनी कोठरी में चली जाती और चैन की साँस लेती।
*इस तरह बच्चों के प्रेम और स्नेह भाव से प्रकार मौसी के जीवन में खुशी के दिन लौट आये।

35.

जय-जय भारत माता।
उँचा हिया हिमालय तेरा
उसमें कितना स्नेह भरा
दिल में अपने आग दबाकर

VII.

36.

क. साहित्य के दो प्रकार शिष्ट साहित्य और जनपद साहित्य है ।

ख. ज्ञानी और शास्त्रज्ञ जिस साहित्य का सृजन करते हैं उसे शिष्ट साहित्य कहा जाता है ।

ग. जनपद साहित्य अलिखित होता है ।

घ. जनपद साहित्य का जन्म ग्रामों में हुआ।

VIII.

37.

* प्रस्तावना 1
* विषय विस्तार 2
* उपसंहार 1

IX .

38.

व्यहारिक पत्र :

प्रेषक का पता	:	½
पत्र पानेवाले का पता	:	½
विषय	:	½
संबोधन	:	½
पत्र का कलेवर	:	2 ½
समात्पि	:	½

अथवा

पारिवारिक पत्र

प्रेषक का पता और दिनांक	:	½
संबोधन और अभिवादन	:	1
पत्र का कलेवर	:	2 ½
समात्पि	:	½
पत्र पानेवाले का नाम	:	½

****